

सोने के भंडार में अमेरिका अव्वल, भारत आठवें स्थान पर; राजस्थान के पास भी बड़ा स्वर्ण खजाना

चीन तेजी से बढ़ा रहा गोल्ड रिजर्व, भारत अपनी जरूरत का करीब 95 प्रतिशत सोना करता है आयात



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और डॉलर पर निर्भरता कम करने की कोशिशों के बीच दुनिया के कई देश अपने स्वर्ण भंडार को मजबूत कर रहे हैं। सितंबर 2026 तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अमेरिका 8,133 टन

सोने के भंडार के साथ दुनिया में पहले स्थान पर है। जर्मनी 3,351 टन के साथ दूसरे और इटली 2,452 टन के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत 881 टन स्वर्ण भंडार के साथ आठवें पायदान पर है। द कोवैसी लेटर की रिपोर्ट के अनुसार फ्रांस के पास 2,437 टन सोना है, जबकि चीन 2,410 टन के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। रूस 2,305 टन के साथ छठे, स्विट्जरलैंड 1,040 टन के साथ सातवें,

जापान 846 टन के साथ नौवें और नीदरलैंड 613 टन के साथ दसवें स्थान पर है।

चीन की सोना खरीदने पर नजर

चीन अपने विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से सोने की खरीद बढ़ा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद रूस की विदेशी संपत्तियों पर लगे प्रतिबंधों ने भी देशों के बीच सुरक्षित परिसंपत्तियों को लेकर चिंता बढ़ाई है। हालांकि, चीन के कुल सोना आयात और उसके केंद्रीय बैंक की आधिकारिक खरीद के आंकड़े अलग-अलग हैं।

भारत में मांग ज्यादा, आयात पर निर्भरता

भारत में सोने की सालाना खपत करीब 800 से 900 टन बताई जाती है। मांग पूरी करने के लिए देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से मंगाता है। भारतीय परिवारों में आभूषणों के रूप में जमा सोना भी बड़ी संपत्ति है, लेकिन इसे देश के आधिकारिक स्वर्ण भंडार में शामिल नहीं किया जाता। सोने के खनिज संसाधनों के मामले में कर्नाटक के बाद राजस्थान महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हालांकि, जमीन के नीचे मौजूद स्वर्ण अयस्क और उससे आर्थिक रूप से निकाले जा सकने वाले शुद्ध सोने में अंतर है। खनन की लागत, तकनीक और अयस्क में सोने की मात्रा उत्पादन को प्रभावित करती है। ऐसे में भारत के लिए घरेलू उत्पादन बढ़ाना और आयात पर निर्भरता घटाना बड़ी आर्थिक चुनौती बनी हुई है।

कनॉट प्लेस में कल CJP के प्रदर्शन पर रोक का हाईकोर्ट का इनकार



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में 16 अक्टूबर को प्रस्तावित सिटिजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस (CJP) के प्रदर्शन को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। दिल्ली पुलिस ने अदालत को आश्वस्त किया कि प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे। अदालत ने इस मामले में CJP को भी पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव साम्ब्रे की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता अनिल गुप्ता की ओर से पेश अधिवक्ता सचिन पुरी ने दलील दी कि कनॉट प्लेस में प्रदर्शन होने से व्यापारियों को नुकसान हो सकता है। उन्होंने त्योहारों के मौसम का हवाला देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में विरोध-प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने यह भी कहा कि कनॉट प्लेस विरोध-प्रदर्शनों के लिए निर्धारित स्थल नहीं है और प्रस्तावित आयोजन को रोका जाना चाहिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने CJP को याचिका में पक्षकार बनाने का आदेश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश देने की मांग भी की गई, लेकिन पीठ ने इस संबंध में अलग आदेश देने की जरूरत नहीं मानी। इससे पहले गुरुवार सुबह मामले का उल्लेख करते हुए अधिवक्ता सचिन पुरी ने तत्काल सुनवाई की मांग की थी। पीठ ने कहा था कि इस मुद्दे पर उसी दिन सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई होनी है, इसलिए मामले को दोपहर बाद सुना जाएगा। बाद में हुई सुनवाई में दिल्ली पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिया। गौरतलब है कि 13 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने व्यापारियों, वेंडरों और वकीलों की याचिकाओं पर केंद्र सरकार से रुख स्पष्ट करने को कहा था। इन याचिकाओं में दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) के अनुरूप नियंत्रित करने की मांग की गई है।

कच्चे तेल में गिरावट से बाजार को सहारा, सेंसेक्स 1,533 अंक उछला; निफ्टी 23 हजार के करीब



24 न्यूज अपडेट

मुंबई, 15 अक्टूबर। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। वीएसई सेंसेक्स 1,533 अंक यानी 2.11 प्रतिशत चढ़कर 74,316 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 374 अंक यानी 1.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,997 पर पहुंच गया। आईटी और ऑटो शेयरों में खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया, जबकि सरकारी बैंकों के शेयरों में बिकवाली का दबाव रहा। तेजी के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को अहम वजह माना गया। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए तेल सस्ता होने से आयात बिल और महंगाई के दबाव में राहत की उम्मीद बनती है। इसके साथ ही टीसीएस, इंफोसिस और एचसीएल जैसी प्रमुख आईटी कंपनियों के शेयरों में लगातार तीसरे दिन तेजी से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। वैश्विक बाजारों में एआई कंपनियों से जुड़ी गिरावट के बीच विदेशी निवेशकों के भारतीय बाजार की ओर रुख करने की उम्मीद ने भी धारणा को सहारा दिया। हालांकि, तेजी का फायदा सभी शेयरों को नहीं मिला। मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि सरकारी बैंकों के शेयरों पर दबाव रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले सात कारोबारी दिनों में 8,440 करोड़ रुपए के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। बाजार की आगे की दिशा में कच्चे तेल की कीमतों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और विदेशी निवेशकों के रुख की अहम भूमिका रहेगी।

अब अनजान कॉल पर भी दिखेगा नाम और नंबर, 1 नवंबर से CNAP सेवा होगी लागू



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। अनजान नंबरों से आने वाली कॉल की पहचान अब आसान होने वाली है। दूरसंचार विभाग (DoT) ने टेलीकॉम कंपनियों को 1 नवंबर 2026 से कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (CNAP)

सेवा शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत 4G और उससे ऊपर के मोबाइल नेटवर्क पर आने वाली कॉल के दौरान नंबर के साथ कॉल करने वाले का नाम भी स्क्रीन पर दिखाई देगा। इसके लिए यूजर्स को अलग से कोई ऐप डाउनलोड करने या सेवा एक्टिवेट कराने की जरूरत नहीं होगी।

कैसे दिखेगा कॉल करने वाले का नाम?

यदि कॉल करने वाले का नंबर मोबाइल में सेव है, तो कॉन्टैक्ट लिस्ट में दर्ज नाम दिखाई देगा। नंबर सेव नहीं होने पर टेलीकॉम कंपनी के रिकॉर्ड में दर्ज नाम स्क्रीन पर दिखेगा। अंतरराष्ट्रीय कॉल आने पर नाम के बजाय 'INTERNATIONAL CALL'

लिखा जा सकता है। जिन ग्राहकों ने कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन प्रतिबंध (CLIR) की सुविधा ली है, उनका नाम प्रदर्शित नहीं किया जाएगा।

फर्जी कॉल पर कितनी लगेगी लगाम?

इस व्यवस्था का उद्देश्य अनजान कॉल की पहचान आसान बनाना और स्पैम तथा धोखाधड़ी वाली कॉल पर अंकुश लगाने में मदद करना है। हालांकि, स्क्रीन पर नाम दिखने का मतलब यह नहीं कि कॉल पूरी तरह सुरक्षित है। ठग दूसरे तरीकों से भी लोगों को निशाना बना सकते हैं, इसलिए बैंकिंग जानकारी, ओटीपी या निजी विवरण फोन पर साझा करने से बचना चाहिए। व्यावसायिक और बल्क कनेक्शन वाले ग्राहक जरूरी दस्तावेजों के सत्यापन के बाद पंजीकृत कारोबारी नाम प्रदर्शित कराने का विकल्प ले सकेंगे। फिलहाल सेवा को 4G और उससे ऊपर के नेटवर्क पर लागू किया जा रहा है; 2G, 3G और लैंडलाइन के लिए इसे लागू करने पर अलग से विचार किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष के मार्च पर सुनवाई, CJI सूर्यकांत बोले-कोर्ट को दबाव में लाने की कोशिश बेकार



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट परिसर में 12 अक्टूबर को विपक्षी नेताओं के मार्च और जुटान से जुड़े मामले में गुरुवार को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट कहा कि अदालत को डराकर या दबाव में लाने की कोशिशों का कोई असर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अदालत को पता है कि बाहर क्या कहा जा रहा है और भीतर क्या हो रहा है। अदालत किसी काल्पनिक दुनिया में नहीं रहती और उसे हर बात की जानकारी है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने राहुल गांधी का नाम

लिए बिना याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण पर सवाल उठाने की बात कही और कहा कि संबंधित व्यक्ति को इस पर सफाई देनी होगी। 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट परिसर में विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों के पहुंचने से जुड़े मामले में राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत 14 नेताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। अदालत ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया और चुनाव आयोग के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से भी जवाब मांगा है। CCTV फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश मामले में चार वकीलों ने याचिका दाखिल कर सुप्रीम कोर्ट परिसर में राजनीतिक प्रदर्शनों को रोकने के लिए नियम बनाने, संबंधित CCTV फुटेज सुरक्षित रखने और मार्च के आयोजकों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। याचिकाकर्ताओं के वकील गौरव भाटिया ने राहुल गांधी के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के समय के CCTV फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उस दौरान एक गर्भवती महिला पत्रकार को धक्का दिया

गया था। इस पर जस्टिस बागची ने संबंधित कानूनी एजेंसियों को CCTV और अन्य डिजिटल फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फुटेज कोई भी व्यक्ति जमा करा सकता है। प्रदर्शन आयोजित करने वालों की जिम्मेदारी तय करने की मांग पर भी अदालत ने नोटिस जारी किया। याचिका में कहा गया है कि प्रदर्शन बुलाने वाले व्यक्ति को उसके कारण दूसरों पर पड़ने वाले प्रभावों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। केरल कांग्रेस की पोस्ट का मुद्दा भी उठा सुनवाई के दौरान केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट का मामला भी उठाया गया। याचिका में पोस्ट को सीजेआई के खिलाफ बताते हुए इसे अदालत की अवमानना मानकर कार्रवाई की मांग की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, संबंधित पोस्ट अब हटाई जा चुकी है। सीजेआई से मुलाकात नहीं मिलने के बाद निकाला था मार्च विपक्षी सांसदों ने 11 अक्टूबर को सीजेआई सूर्यकांत को पत्र लिखकर ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था, लेकिन उन्हें मुलाकात का समय नहीं मिला। इसके बाद 12 अक्टूबर को राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य विपक्षी सांसदों ने बाराखंबा रोड से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। बाद में विपक्षी नेता सुप्रीम कोर्ट परिसर में पहुंचे।

संपादकीय : महंगाई का संकट

पश्चिम एशिया में शुरू हुए संघर्ष के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। सरकार की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 11.39 फीसद हो गई, जो अगस्त में 9.92 फीसद थी। इसका प्रमुख कारण खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं, ईंधन एवं बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी है। इसी माह के आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर तेईस माह के उच्च स्तर 5.54 फीसद पर पहुंच गई, जो अगस्त में 4.83 फीसद थी। इसमें दोराय नहीं कि महंगाई का प्रभाव केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह लोगों की बचत, जीवन स्तर और आर्थिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है। ऐसे में सवाल है कि जरूरी वस्तुओं के दामों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार की ओर से तात्कालिक एवं प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं! क्या सरकार को इस बात का भान नहीं है कि इससे आम लोगों की परेशानी बढ़ने के स्वच देश की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर पड़ सकता है ? गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होमुंज जलमार्ग में अवरोध से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत बढ़ गई है। भारत अपने कच्चे तेल का अधिकतर हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। इन बढ़ी हुई लागतों का असर खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ा है। मगर अहम सवाल यह है कि तात्कालिक और भावी परिस्थितियों का

आकलन कर सरकार की ओर से इस संकट से निपटने के लिए समय पर कोई प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए गए ? हालांकि बढ़ती महंगाई के दबाव को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह नीतिगत दर यानी रेपो दर में 0.25 फीसद की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसद कर दिया था। मगर, महंगाई हमेशा मांग के कारण ही नहीं बढ़ती । खराब मानसून, आपूर्ति बाधाएं, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल जैसी परिस्थितियां भी महंगाई का कारण बनती हैं। ऐसे में रेपो दर बढ़ाने का प्रभाव सीमित हो सकता है, लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से लोगों का बैंकों से कर्ज लेना और महंगा होने की संभावना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर अगस्त के 7.05 फीसद से बढ़कर सितंबर में 8.66 फीसद हो गई, जबकि विनिर्मित वस्तुओं की दर बढ़कर 9.76 फीसद पर पहुंच गई। ईंधन एवं बिजली की महंगाई दर भी 22.93 फीसद से बढ़कर 25.85 फीसद हो गई। महंगाई का सबसे ज्यादा प्रभाव निम्न और मध्य वर्ग पर पड़ता है। जिन लोगों की आय सीमित है, उनके लिए अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करना कठिन हो जाता है। इस तरह महंगाई केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता बढ़ने का कारण भी बन जाती है। इससे निपटने के लिए सबसे जरूरी है कि मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बना रहे और इसके लिए सरकार को कृषि उत्पादन बढ़ाने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर रोक लगाने जैसे उपायों को कड़ाई से लागू करना होगा। आर्थिक विकास की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब आम आदमी की आय के साथ उसकी क्रयशक्ति भी बढ़े और वह सम्मानजनक जीवन जी सके ।

सुरक्षा का सवाल

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोलकाता में उनके आवास के पास एक महिला द्वारा हमले की कोशिश करने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर किसी राजनीतिक दल के प्रमुख नेता पर ही सरेआम हमले का प्रयास किया जाता है, तो आम आदमी खुद को सुरक्षित कैसे महसूस कर पाएगा ! पार्टी के ममता समर्थक धड़े का आरोप है कि संबंधित महिला के हाथ में चाकू था। हालांकि इसकी सच्चाई गहन जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन सवाल है कि आरोपी महिला ममता सुरक्षा घेरे के इतने करीब कैसे पहुंच गई ? इस बात की जांच-पड़ताल भी जरूरी है कि सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भविष्य में क्या कदम उठाए जा सकते हैं। राज्य में पिछले लंबे समय से राजनीतिक हिंसा की खबरें भी आती रही हैं। लिहाजा पुलिस को हर पहलू से इस घटना की छानबीन करनी चाहिए, ताकि सच सबके सामने आ सके। खबरों के मुताबिक, ममता बनर्जी पर बीते मंगलवार को उस

वक्त हमले की कोशिश की गई, जब वह दुर्गा पूजा का उद्घाटन करने जा रही थीं। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों और वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं ने आरोपी महिला को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, इस घटना की प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस का कहना है कि आरोपी महिला का ममता बनर्जी पर हमला करने का इरादा नहीं था, बल्कि वह उनसे मिलना चाहती थी। मगर यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या किसी प्रमुख नेता की सुरक्षा से जुड़े मामले को महज राजनीतिक आरोप मानकर उसकी गंभीरता को नजरअंदाज किया जा सकता है ? कायदे से इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और अगर सुरक्षा में चूक का कोई मामला बनता है, तो उसमें भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच इस घटना की संवेदनशीलता को समझना जरूरी है। लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद होना सामान्य बात है, लेकिन जब असहमति हिंसा की दहलीज तक पहुंच जाए, तो खतरा किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता।

रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर गूंजी किलकारी, मेडिकल टीम ने कराया सुरक्षित प्रसव



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन पर बुधवार को रेलवे मेडिकल टीम की तत्परता से एक गर्भवती महिला का प्लेटफॉर्म पर ही सुरक्षित प्रसव कराया गया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। प्रसव के बाद दोनों को आगे की देखभाल

के लिए एमबी राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। रेलवे प्रशासन के अनुसार, 14 अक्टूबर को सुबह 10:55 बजे स्टेशन अधीक्षक को सूचना मिली कि ट्रेन संख्या 19602 से आई महिला यात्री रश्मि, पत्नी रतन प्रताप सिंह यादव, निवासी बड़गांव, उदयपुर को प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर तेज प्रसव पीड़ा हो

जहां-जहां, जब-जब चुनाव, तब-तब रहेगा सूखा दिवस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव, 2026 को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग और वित्त (आबकारी) विभाग के निर्देशों के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट, गौरव अग्रवाल ने आदेश जारी कर जिले में विभिन्न चुनावी चरणों के दौरान सूखा दिवस घोषित किए हैं। आदेश के अनुसार चुनाव के दौरान संबंधित मतदान क्षेत्रों तथा उनके 5 किलोमीटर के परिधीय (सीमावर्ती) क्षेत्रों में

शिक्षक संघ ने 31 तक सुबह की पारी रखने की उठाई मांग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। राजस्थान के सरकारी विद्यालयों का समय गुरुवार के बाद शुक्रवार, 16 अक्टूबर से बदलने जा रहा है। एक पारी में संचालित विद्यालय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेंगे, जबकि दो पारियों वाले विद्यालयों का संचालन सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा। इनमें प्रत्येक पारी पांच घंटे की रहेगी। शिविरा पंचांग के अनुसार विद्यालयों के समय में बदलाव एक अक्टूबर से प्रस्तावित था, लेकिन प्रदेश में गर्मी के असर को देखते हुए शिक्षा निदेशक ने पुराना समय 15 अक्टूबर तक जारी रखने का निर्णय किया

उदयपुर में शुक्रवार को 20 से ज्यादा इलाकों में बिजली कटौती, सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बंद रहेगी सप्लाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। बिजली रखरखाव कार्य के चलते शुक्रवार, 16 अक्टूबर को उदयपुर शहर के भुवना वाइपास, बेदला और आसपास के दो दर्जन से अधिक इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अजमेर विद्युत वितरण निगम के अनुसार संबंधित क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली बंद रखी जाएगी। ऐसे में लोगों को सात घंटे तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ सकता है। इन इलाकों में रहेगा असर भुवाना वाइपास क्षेत्र के साथ

रही है। सूचना मिलते ही रेलवे अस्पताल के प्रभारी डॉ. महेश चंद मीणा के निर्देश पर एम्बुलेंस सहित मेडिकल टीम मौके पर पहुंची। टीम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वीना गुप्ता, मुख्य नर्सिंग अधीक्षक राकेश शर्मा और ड्रेसर हरकेश मीणा शामिल थे। परिस्थितियों को देखते हुए टीम ने प्लेटफॉर्म पर ही आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था की और सुरक्षित प्रसव कराया। इसके बाद मां और नवजात को एम्बुलेंस से एमबी अस्पताल भेजा गया। मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा ने रेलवे चिकित्सा टीम की त्वरित और सूझबूझपूर्ण कार्रवाई की सराहना की। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और महिला के परिजनों ने भी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की।

विजय जुलूसों पर प्रतिबंध, जिला मजिस्ट्रेट ने जारी किए आदेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव, 2026 के मद्देनजर उदयपुर जिले में चुनावी नतीजों के बाद कानून-व्यवस्था और लोक शांति बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (पूर्व की दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर चुनाव प्रक्रिया के शांतिपूर्ण संपन्न होने तक (29 नवंबर 2026 तक) प्रभावी रहेगा। जिला मजिस्ट्रेट के आदेशानुसार, चुनाव परिणाम घोषित होने के

बाद किसी भी निर्वाचित प्रत्याशी (प्रमुख, उपप्रमुख, प्रधान, उपप्रधान, जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, उपसरपंच तथा वार्ड पंच) या उनके समर्थकों द्वारा सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, बाजारों या चौराहों पर विजय जुलूस निकालना और भीड़ एकत्रित करना, जुलूस के रूप में इकट्ठा होकर शक्ति प्रदर्शन करना, वाहनों का काफिला निकालना, पटाखे जलाना या आतिशबाजी करना, उत्तेजक नारेबाजी करना, शोशल मीडिया या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर ऐसे संदेश, वीडियो या पोस्ट प्रसारित करना जिससे आपसी तनाव या कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति पैदाहो इन सभी गतिविधियों पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। उक्त आदेश उदयपुर जिले के सभी पंचायत समिति क्षेत्रों में प्रभावी रहेगा।

त्योहारों पर खाद्य पदार्थों की जांच बढ़ाए प्रशासन : भगवती शर्मा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। ग्राहकों को भ्रामक जानकारी देकर ठगने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए उन्हें जागरूक करना जरूरी है। जागरूक उपभोक्ता ही शोषणमुक्त समाज की नींव रख सकता है। यह बात अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के क्षेत्रीय संगठन मंत्री भगवती शर्मा ने उदयपुर प्रवास के दौरान बैठक में कही। उन्होंने त्योहारों के दौरान जिला प्रशासन से खाद्य पदार्थों की जांच बढ़ाने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। संगठन ने मांग की है कि परिस्थितियों को देखते हुए समय परिवर्तन पर पुनर्विचार किया जाए और 31 अक्टूबर तक सुबह का समय जारी रखा जाए।

151 कन्याओं का पूजन कर दिया सेवा और संस्कार का संदेश



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। नवरात्रि पर वात्सल्य महिला सेवा समिति की ओर से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालपुरा और जैन अग्रवाल बाल मंदिर, धानमंडी में 151 कन्याओं का विधि-विधान से पूजन कर उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमहापौर दिनेश भट्ट तथा विशिष्ट अतिथि प्रकाश अग्रवाल, पार्षद आकाश वांगेरा, एम.एल. अग्रवाल, विवेक अग्रवाल और अशोक अग्रवाल थे। सुधा

अग्रवाल ने कन्या पूजन को भारतीय संस्कृति और बालिका सम्मान की परंपरा बताया। प्रकाश अग्रवाल ने सेवा-संस्कार के कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। आयोजन में भगवती अग्रवाल, मंजू मूंदड़ा, हिमांगी भट्ट, शोभा सोनी, अंजना गुप्ता, अंजना मित्तल, मोना, रितु नवीन अग्रवाल, मीनाक्षी शर्मा, हेमलता टेकिया, नीता अग्रवाल, कमलेश गुप्ता, अंजू गुप्ता, सोनम नागदा, प्रभा गुप्ता, गोपाल कनेरिया, राकेश मूंदड़ा, डी.के. गुप्ता, प्रो. हेमंत मित्तल और वृजलाल सोनी सहित अन्य उपस्थित रहे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
Wathsapp : 8852073787



विदेश में MBBS, भारत में फर्जीवाड़े से डॉक्टर बनने की तैयारी! 30 लाख देकर खरीदी FMGE की ‘कामयाबी’, चार गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। डॉक्टर बनने का सपना, विदेश की मेडिकल डिग्री और भारत में प्रेक्टिस की राह में अटकी FMGE परीक्षा। आरोप है कि जब बार-बार परीक्षा पास नहीं हुई तो कुछ विदेशी मेडिकल स्नातकों ने मेहनत और योग्यता की जगह लाखों रुपये का रास्ता चुना। दलालों के जरिए 27 से 30 लाख रुपये तक देकर FMGE पास करने के फर्जी प्रमाण पत्र बनवाए और उन्हीं के आधार पर राजस्थान के सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में इंटरनशिप तक कर ली। अब एसओजी ने इस कथित फर्जीवाड़े में चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला सिर्फ फर्जी दस्तावेजों तक सीमित नहीं, बल्कि मेडिकल रजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया और

संबंधित लोगों की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर रहा है। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल के अनुसार, इस मामले में 4 फरवरी को एसओजी थाना जयपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के बाद भारत भूषण शर्मा (26), निवासी डीग; सौरव शर्मा (29), निवासी वैर; हिमांशु शर्मा (26), निवासी हलैना और शिवम चौधरी (28), निवासी पहाड़ी, जिला डीग को गिरफ्तार किया गया है। किसने कहा पढ़ाई की, किसने कितने लाख दिए? एसओजी के आईजी अजयपाल लांबा के मुताबिक, भारत भूषण शर्मा ने किर्गिस्तान से MBBS किया और 2022 में भारत लौटा। FMGE में कई बार असफल होने के बाद उसने दौसा निवासी शुभम गुर्जर के माध्यम से 30 लाख रुपये देकर कथित फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया। इसके आधार पर उसने राजकीय मेडिकल कॉलेज दौसा में इंटरनशिप की। शुभम गुर्जर इस मामले में पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। सौरव शर्मा और हिमांशु शर्मा ने 2017 से 2023 के बीच रूस में MBBS की पढ़ाई की थी। दोनों 2023 में भारत लौटे, लेकिन FMGE परीक्षा पास नहीं कर सके। आरोप है कि दोनों ने वैर निवासी गजेन्द्र के माध्यम से 27-27 लाख रुपये देकर फर्जी प्रमाण पत्र हासिल किए। सौरव ने राजकीय मेडिकल कॉलेज धौलपुर और हिमांशु ने महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज जयपुर में इंटरनशिप की। दोनों ने राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन के लिए भी आवेदन किया। सौरव और हिमांशु आपस में मामा-बुआ के बेटे हैं। चौथे आरोपी शिवम चौधरी ने 2016 से 2021 तक कजाकिस्तान

में MBBS किया था। 2021 में भारत लौटने के बाद FMGE में सफल नहीं होने पर उसने कथित तौर पर गजेन्द्र के जरिए 30 लाख रुपये में फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया। इसके आधार पर उसने राजकीय मेडिकल कॉलेज अलवर में इंटरनशिप की और RMC में पंजीयन के लिए आवेदन किया। जांच के अनुसार, गजेन्द्र कजाकिस्तान में हॉस्टल चलाने के साथ भारतीय विद्यार्थियों को विदेश में मेडिकल शिक्षा दिलाने के काम से भी जुड़ा था। 100 से ज्यादा विदेशी मेडिकल स्नातक जांच के घेरे में इस मामले का दायरा चार गिरफ्तारियों से कहीं बड़ा बताया जा रहा है। एडीजी विशाल बंसल के अनुसार, जांच एजेंसियों ने 100 से अधिक विदेशी मेडिकल स्नातकों को चिह्नित किया है। संदेह है कि इन लोगों ने FMGE पास किए बिना फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर इंटरनशिप या पंजीयन हासिल करने की कोशिश की। एसओजी इस प्रकरण में राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा समेत अब तक 33 लोगों की गिरफ्तारी की जानकारी दे चुकी है। पूर्व में गिरफ्तार लोगों में काउंसिल के कर्मचारी और कथित मुख्य आरोपी भानाराम माली सहित अन्य लोग शामिल हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, भानाराम माली, शुभम गुर्जर, इंद्रराज गुर्जर और अन्य पर प्रमाण पत्र बनवाने तथा पंजीयन कराने के नाम पर प्रति व्यक्ति 20 से 30 लाख रुपये तक लेने के आरोप हैं।

जूते के सोल में छिपा 900 ग्राम सोना, कार की डिक्की में चांदी का पाउडर, उदयपुर में गुजरात के दो आरोपी गिरफ्तार

राजकोट में कारीगर की हत्या और डेढ़ करोड़ की लूट का आठ घंटे के भीतर खुलासा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। गुजरात के राजकोट में सर्राफा कारोबारी के प्रतिष्ठान पर फायरिंग कर कारीगर की हत्या और करीब डेढ़ करोड़ रुपये के सोने-चांदी की लूट के मामले में उदयपुर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद फरार आरोपियों को सूचना मिलने के करीब आठ घंटे के भीतर पकड़ लिया गया। तलाशी में एक आरोपी के जूते के सोल से करीब 900 ग्राम सोना और कार की डिग्गी में रखे बैग से लगभग तीन किलो चांदी का पाउडर मिला। वारदात में इस्तेमाल कार को भी जन्त किया गया है। पुलिस के मुताबिक, 15 अक्टूबर की तड़के करीब तीन बजे सूचना मिली कि गुजरात के राजकोट शहर के थोराला थाना क्षेत्र स्थित तन्वी गोल्ड ज्वेलर्स में तीन हथियारबंद बदमाशों ने फायरिंग की। इस घटना में दुकान के कारीगर लालजी लबजी की मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश कथित तौर पर करीब एक किलो सोना और तीन किलो चांदी का पाउडर लूटकर फरार हुए थे। नाकाबंदीतोड़करभागनेकीकोशिश,पीछाकरपकड़ा घटना की सूचना मिलते ही उदयपुर एसपी डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर पुलिस ने गुजरात की ओर से आने-जाने वाले संभावित मार्गों पर निगरानी और नाकाबंदी शुरू की। बड़ागांव थाने के सहायक उप निरीक्षक कृष्ण गोपाल और कांस्टेबल लालजी लाल और कांस्टेबल कमलेश की भूमिका रही।

भींडर में दिनदहाड़े मकान का ताला तोड़कर गहने और सामान चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भींडर की बोहरवाड़ी स्थित नई आबादी में तैयबिया स्कूल के पास एक मकान को चोरों ने निशाना बनाया। मलेका बोहरा (52) ने पुलिस को बताया कि 13 अक्टूबर को दोपहर 12 से शाम 6 बजे के बीच अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़कर गहने और अन्य सामान चुरा ले गए। भींडर थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

हॉस्पिटल रोड पर किया सोनेट की टक्कर, युवती की बहन घायल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हाथीपोल थाना क्षेत्र के हॉस्पिटल रोड पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक युवती की बहन घायल हो गई। भूमिका लोहार (30), निवासी सी-14 सागर विहार, देवाली ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि काले रंग की किया सोनेट कार का चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए आया और उसकी बहन को टक्कर मार दी। कार का नंबर आरजे-30-सीसी-3213 बताया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

उदयपुर में नाबालिग पुत्री के लापता होने की रिपोर्ट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सविना थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री के बिना बताए घर से कहीं चले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार, बालिका 1 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे परिजनों को बताए बिना चली गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर बालिका की तलाश शुरू कर दी है। जांच हेड कांस्टेबल समुद्र सिंह कर रहे हैं।

आकोला में रास्ता रोककर मारपीट, बुजुर्ग ने दर्ज कराई रिपोर्ट

उदयपुर। कानोड़ थाना क्षेत्र के आकोला गांव में रास्ता रोककर मारपीट करने का मामला सामने आया है। किशनलाल चौधरी (60), निवासी आकोला ने रिपोर्ट दी कि भैरूलाल चौधरी और अन्य ने उनका रास्ता रोककर मारपीट की, जिससे उन्हें चोट आई। कानोड़ थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच हेड कांस्टेबल नरेश कुमार को सौंपी है।

पांच मंदिरों में हुई चोरी का खुलासा, तीन शातिर पकड़े, 10 किलो चांदी पर किया था हाथ साफ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में सुखेर थाना क्षेत्र में मंदिरों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। भीलों का गुड़ा इलाके के पांच अलग-अलग मंदिरों में हुई चोरी की वारदातों में करीब 10 किलोग्राम चांदी चोरी होने की बात सामने आई थी। लगातार हो रही चोरियों से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में नाराजगी थी। पुलिस जांच में सामने आया कि वारदातों के तार गोगुंदा थाना क्षेत्र से जुड़े हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आज एसपी डॉक्टर अमृता दुहन ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गोगुंदा के रहने वाले व आपराधिक रिकॉर्ड रखने वाले कमलेश गमेठी,



मेघा और भैरूराम को गिरफ्तार किया गया है। वीएनएस में संगठित अपराध की नई धाराएं भी लगाई गई हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों का पहले से भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। सुखेर थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। अब गिरफ्तार आरोपियों से चोरी गई चांदी और अन्य सामान की बरामदगी के साथ गिरोह में शामिल दूसरे

लोगों के बारे में पृष्ठताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में मेघाराम पिता मांगीलाल उम्र 22 साल नि. कलवा खेड़ा नाल, गोगुंदा, कमलेश पिता भैर उम्र 20 साल निवासी कलवा खेड़ा नाल, गोगुंदा, उदयपुर। भैरा राम पिता हकरा राम उम्र 22 साल निवासी बिलख कुंडाल, ओगणा, उदयपुर। अपने मोबाइल बंद कर देते थे। इसके बाद सीसीटीवी से बचने के लिए खेतों और पहाड़ियों के रास्तों से आकर वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस टीम में भरत योगी थानाधिकारी, सुखेर। हरीश चन्द्र सनाढ्य स.उ.नि. श्री अचला राम कानि.रामधन कानि. (चौकी पड़ावली) कुलदीप सिंह हैड कानि. साइबर सेल।

अफीम खरीद-फरोख्त मामले में तीन साल से फरार आरोपी गिरफ्तार, चित्तौड़गढ़ से पकड़ा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। उदयपुर की अंबामाता थाना पुलिस और स्पेशल टीम ने अफीम की खरीद-फरोख्त के मामले में तीन साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी भरत लाल आंजना (51) चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा क्षेत्र का निवासी है। पुलिस उससे मामले में पूछताछ कर रही है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में नशे के अवैध कारोबार में लिस आरोपियों

की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे 'जागृति' अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, अंबामाता थाने में दर्ज वर्ष 2023 के एक प्रकरण में भरत लाल आंजना वांछित था और गिरफ्तारी से बच रहा था। संयुक्त टीम ने तलाश के बाद उसे डिटैन कर गिरफ्तार किया। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा और वृत्ताधिकारी राजेश यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण तथा स्पेशल टीम प्रमारी रतन सिंह के नेतृत्व में की गई। टीम में स्पेशल टीम और अंबामाता थाने के पुलिसकर्मियों के साथ साइबर सेल के कर्मिक भी शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि आरोपी से अफीम की खरीद-फरोख्त से जुड़े मामले में आगे की पूछताछ और अनुसंधान जारी है।

भींडर में दिनदहाड़े मकान का ताला तोड़कर गहने और सामान चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भींडर की बोहरवाड़ी स्थित नई आबादी में तैयबिया स्कूल के पास एक मकान को चोरों ने निशाना बनाया। मलेका बोहरा (52) ने पुलिस को बताया कि 13 अक्टूबर को दोपहर 12 से शाम 6 बजे के बीच अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़कर गहने और अन्य सामान चुरा ले गए। भींडर थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

आयड़ के महावीर मार्केट के बाहर युवक पर हमला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आयड़ स्थित महावीर मार्केट के बाहर युवक पर हमला करने के आरोप में भोपालपुरा थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में कपिल धाकड़ (25) पुत्र रामेश्वर धाकड़, निवासी अरेटा एनिमेशन, भोपालपुरा मेन रोड, साउथ इंडियन बैंक के ऊपर, ने आरोप लगाया कि लक्ष्मण डबगर, भवानी डबगर और जयेश डबगर ने उस पर जान से मारने की नीयत से हमला किया। मामले में नरेश डबगर (24) पुत्र राजू डबगर, निवासी डबगर मोहल्ला, आयड़, थाना भोपालपुरा का नाम भी रिकॉर्ड में दर्ज है। पुलिस ने मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक दिनेश कुमार कर रहे हैं।

सोने के गहने गिरवी रखवाकर लोन की रकम हड़पने का आरोप

उदयपुर। कपड़ों का कारोबार बढ़ाने के लिए स्टॉक दिलाने का भरोसा देकर एक महिला के सोने के गहने बैंक में गिरवी रखवाकर लोन लेने और उसकी पूरी रकम ले लेने का मामला सुरजपोल थाने में दर्ज हुआ है। आरोप है कि रकम लेने के बावजूद महिला को आगे कपड़ों का स्टॉक नहीं दिया गया। लियो का गुड़ा, थाना बड़ागांव निवासी गीता मेघवाल (45) पत्नी आमप्रकाश मेघवाल ने रिपोर्ट में बताया कि सुरेन्द्र शर्मा पुत्र शंभूदयाल शर्मा, निवासी कुम्हारों का मोहल्ला, वार्ड नंबर 28, चौमूं, जयपुर ने पहले उन्हें कपड़ों का स्टॉक दिलवाया। इसके बाद और स्टॉक उपलब्ध कराने के नाम पर रकम मांगी। महिला के पास पैसे नहीं होने पर उसके सोने के गहने बैंक में गिरवी रखवाकर उसके नाम से लोन लिया गया और पूरी रकम ले ली गई। आरोप है कि इसके बाद भी कपड़ों का स्टॉक नहीं दिया गया और उसके साथ धोखाधड़ी की गई। सुरजपोल थाना पुलिस ने 14 अक्टूबर को मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक शीशराम कर रहे हैं।

मकान का ताला खोलकर चोरी, मोबाइल, गहने और नकदी ले गए बदमाश

उदयपुर। कुराबड़ थाना क्षेत्र के जगत में अज्ञात बदमाशों ने चावी का इस्तेमाल कर मकान का ताला खोला और भीतर से मोबाइल, गहने व नकदी चोरी कर ली। मामले में सोहनलाल जैन पुत्र माणकचंद जैन, निवासी कामदर हाउस, राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक के पास, जगत ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति ने दुकान के अंदर रखी चाबियां निकालकर मकान का ताला खोला। इसके बाद घर में रखे मोबाइल फोन, आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गया। चोरी की वारदात से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। कुराबड़ थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। फिलहाल आरोपी की पहचान नहीं हो पाई है।

महुवाड़ा में युवक से मारपीट

उदयपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के महुवाड़ा में मारपीट का मामला सामने आया है। महुवाड़ा निवासी मयूरराज सिंह (31) पुत्र हिम्मतसिंह ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसके साथ मारपीट की गई। मामले में पुषेन्द्र सिंह, महिपाल सिंह, युवराज सिंह और पृथ्वी सिंह सहित अन्य को आरोपी बताया गया है। सभी नामजद व्यक्ति महुवाड़ा, थाना कल्याणपुर के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक नगीनराम कर रहे हैं।

बुड़रा रोड पर वाहन की टक्कर से पैदल जा रहे व्यक्ति की मौत

उदयपुर। पाटिया थाना क्षेत्र के बुड़रा रोड पर वाहन की टक्कर से 52 वर्षीय हकरा की मौत हो गई। हादसे को लेकर मृतक के बेटे कावाराम (28) ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार, हकरा पुत्र नूराजी, जाति हंगात, निवासी हंगात फला डबायचा, थाना डबायचा, पैदल जा रहे थे। इसी दौरान आरजे 27 डीबी 9813 नंबर के वाहन के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर चोटें लगने से उनकी मौत हो गई। मृतक के बेटे कावाराम, निवासी हंगात फला डबायचा, थाना पाटिया, की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। प्रकरण में वाहन चालक की भूमिका और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मामले के जांच अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक हरीश कुमार बताए गए हैं।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी, अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर। भोपालपुरा थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। भोपालपुरा मेन रोड पर खड़ी एक मोटरसाइकिल को अज्ञात बदमाश चुराकर ले गए। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, घटना 13 अक्टूबर सुबह करीब 10 बजे की है, जबकि मामला 14 अक्टूबर को रात 11 बजे दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। कपील धाकड़ पिता रामेश्वर धाकड़ उम्र 25 वर्ष निवासी अरेटा एनीमेशन भूपालपुरा मेन रोड साउथ इण्डियन बैंक के उपर ने यह मामला दर्ज करवाया है।



खाद्य सुरक्षा सूची की घर-घर जांच शुरू, अपात्र परिवारों से स्वेच्छा से नाम हटवाने की अपील



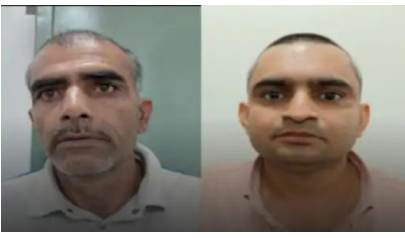
24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने के लिए उदयपुर जिले के मावली और फतेहनगर-सनवाड़

क्षेत्र में घर-घर सर्वे शुरू किया गया है। रसद विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों ने परिवारों की आर्थिक स्थिति और योजना के लिए उनकी पात्रता की जांच की। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों को योजना से जोड़ने और अपात्र लाभार्थियों को स्वेच्छा से नाम हटवाने के लिए प्रेरित किया गया। जिला रसद अधिकारी मणि खींची ने बताया कि जिला रसद अधिकारी (प्रथम) के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत सनवाड़ क्षेत्र में प्रवर्तन अधिकारी पुष्पेंद्र चौधरी और मानसी पंड्या ने घर-घर जाकर जानकारी जुटाई। वहीं, मावली के वार्ड संख्या एक में प्रवर्तन निरीक्षक अभिषेक खींची और कालूराम तावियार ने निरीक्षण किया। सर्वे में ऐसे गरीब परिवार भी सामने आए, जो अपनी खाद्यान्न जरूरतों के लिए सरकारी गेहूं पर निर्भर हैं।

अधिकारियों ने ऐसे परिवारों को योजना का लाभ निरंतर दिलाने की बात कही। दूसरी ओर, पात्रता की शर्तें पूरी नहीं करने के बावजूद योजना का लाभ ले रहे परिवारों को अपनी स्थिति की समीक्षा कर नियमानुसार स्वेच्छा से नाम हटवाने की समझाइश दी गई। अभियान के दौरान ऐसे जरूरतमंद परिवारों की पहचान भी की जा रही है, जो पात्र होने के बावजूद खाद्य सुरक्षा सूची में शामिल नहीं हैं। अधिकारियों ने उन्हें योजना में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। जिला रसद अधिकारी मणि खींची के अनुसार खाद्य सुरक्षा योजना में पारदर्शिता बनाए रखने, अपात्र लाभार्थियों को सूची से हटाने और नए पात्र परिवारों को जोड़ने के लिए सर्वे व निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेगा।

SI भर्ती घोटाला: बेटे को लीक प्रश्न-उत्तर पढ़वाकर बनवाया सब-इंस्पेक्टर, दूसरा आरोपी 10 लाख में डमी बैठाने के आरोप में गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 15 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती-2021 में कथित फर्जीबोर्ड की जांच कर रही एसओजी ने दो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। लंबे समय से फरार चल रहे देवेंद्र कुमार सैनी ने अदालत में सरेंडर किया, जिसके बाद उसे पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। वहीं, डमी अभ्यर्थी

के जरिए अपने जीजा को परीक्षा दिलवाने के आरोप में डूंगर प्रकाश को गिरफ्तार किया गया है। अदालत ने उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। एसओजी के अनुसार, इस मामले में अब तक 154 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

लीक प्रश्न-उत्तर से बेटे को परीक्षा पास कराने का आरोप

एसओजी की जांच के अनुसार, देवेंद्र कुमार सैनी ने पहले गिरफ्तार आरोपी राजकुमार यादव के माध्यम से अपने बेटे रविंद्र सैनी को परीक्षा से पहले लीक हुए प्रश्न-उत्तर उपलब्ध करवाने में मदद की थी। रविंद्र ने लिखित परीक्षा पास की और सब-इंस्पेक्टर पद पर चयनित हो गया। जांच में यह भी सामने आया कि देवेंद्र ने राजकुमार यादव

के दूसरे बेटे भारत यादव को भी लीक प्रश्न-उत्तर उपलब्ध कराने में मदद की थी, हालांकि उसका अंतिम चयन नहीं हुआ। एसओजी के मुताबिक, देवेंद्र कुमार सैनी और उसके बेटे रविंद्र कुमार सैनी की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। देवेंद्र ने 14 अक्टूबर को जयपुर महानगर-द्वितीय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में सरेंडर किया था। इसके बाद अदालत ने उसे पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया। उसका बेटा रविंद्र अभी फरार बताया जा रहा है। 10 लाख रुपए में डमी अभ्यर्थी बैठाने का सौदा एसओजी ने एक अन्य कार्रवाई में डूंगर प्रकाश पुत्र जयकिशन गोदारा (33), निवासी डांगरीया गांव, पोस्ट गांधव, थाना गुडामालानी, जिला बालोतरा को गिरफ्तार किया है।

राजस्थान में बदलेगा पुलिसिंग का अंदाज, थाने में फरियादी से वैसा ही व्यवहार करें जैसा खुद के लिए चाहते हैं



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 15 अक्टूबर। थाने में शिकायत लेकर पहुंचने वाले व्यक्ति को पुलिस का व्यवहार कैसा मिलता है, इसी से पुलिस के प्रति उसका भरोसा बनता या टूटता है। राजस्थान पुलिस अब इसी सोच के साथ अपनी कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव लाने की तैयारी कर रही है। पुलिसकर्मियों को सिखाया जा रहा है कि आमजन की शिकायतें संवेदनशीलता से सुनें, संवाद बेहतर रखें और कानून के दायरे में राहत दिलाने का प्रयास करें। साथ ही अपराधियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई जारी रहे। इसी उद्देश्य से महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने गुरुवार को जयपुर

स्थित आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय 'पॉजिटिव बिहेवियर इन पुलिसिंग' प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीजीपी शर्मा ने कहा कि थाने में पुलिसकर्मियों आमजन के साथ वैसा ही व्यवहार करें, जैसा वे स्वयं शिकायत लेकर पहुंचने पर अपने लिए अपेक्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता का अर्थ अपराधियों के प्रति नरमी नहीं, बल्कि पीड़ित को विधिक प्रक्रिया के तहत राहत दिलाने का प्रयास है। आमजन के प्रति संवेदनशीलता और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पुलिसिंग के मूल आधार होने चाहिए।

व्यवहार सुधारने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण

17 अक्टूबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में 35 पुलिसकर्मियों हिस्सा ले रहे हैं। केस स्टडी, भूमिका-अभिनय, समूह चर्चा और आत्मचिंतन के जरिए पुलिसकर्मियों को नागरिकों से संवाद, शिकायतों को ध्यान से सुनने और तनावपूर्ण परिस्थितियों में संयम बनाए रखने का अभ्यास कराया जा रहा है।

डीजीपी ने कहा कि लंबी ड्यूटी, त्वरित निर्णय और लगातार बदलती चुनौतियों के बीच पुलिसकर्मियों के लिए सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार, स्पष्ट संवाद और कानून के प्रति प्रतिबद्धता जरूरी है। पारदर्शिता के दौर में पुलिस का आचरण हर व्यक्ति की नजर में रहता है, इसलिए सकारात्मक और पेशेवर छवि बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। पूर्व डीजीपी डॉ. एम.के. देवराजन ने प्रशिक्षण को आत्मचिंतन का मंच बताते हुए पुलिसकर्मियों से अपने अनुभव साझा करने का आह्वान किया। एचआरडी रिसर्च फाउंडेशन के चेयरमैन अपूर्व कुमार ने स्वागत संबोधन दिया, जबकि विश्वविद्यालय अध्यक्ष डॉ. पी.आर. सोढाणी ने आभार जताया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन दबाव की परिस्थितियों में पुलिसिंग, तनाव प्रबंधन और नाराज शिकायतकर्ताओं से संवाद पर अभ्यास होगा। अंतिम दिन सीखी गई बातों को व्यवहार में उतारने के लिए व्यक्तिगत और इकाई स्तर की कार्ययोजनाएं तैयार की जाएंगी। पहल का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के व्यवहार में ऐसा बदलाव लाना है, जिससे आमजन का भरोसा मजबूत हो और थाने में शिकायत लेकर पहुंचने वाला व्यक्ति खुद को सुना हुआ महसूस करे।

एमएलएसयू के बीबीए विभाग में अभिभावकों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों की प्रगति पर किया मंथन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एमएलएसयू)

के बीबीए विभाग में आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, नियमित उपस्थिति, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में शिक्षकों और अभिभावकों ने बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने तथा विद्यार्थियों को भविष्य की व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार करने पर जोर दिया। बीबीए संयोजक एवं बैकिंग एंड विजनेस इकोनॉमिक्स विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह राव ने कहा कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। नियमित संवाद से पढ़ाई में आने वाली समस्याओं

को समझने, शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारने में मदद मिलती है। बैठक में विद्यार्थियों के अध्ययन स्तर, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ व्यावहारिक और व्यावसायिक जीवन की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करने की आवश्यकता भी रेखांकित की गई। इस अवसर पर डॉ. ओ.पी. जैन, डॉ. मोनिका याज्ञिक, डॉ. आभा तोष्णीवाल, डॉ. निधि वजाज, डॉ. ज्योत्सना कस्तूरी, डॉ. शिल्पा भाणावत, डॉ. करिश्मा दयार, डॉ. सुरेन्द्र दाहिमा और डॉ. हर्ष श्रीमाली उपस्थित रहे।

दीपावली से पहले राशमी में 413 किलो संदिग्ध घी जब्त, डिब्बों पर लिखा था 'सरस'



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। दीपावली से पहले घी की बढ़ती मांग के बीच चित्तौड़गढ़ जिले के राशमी कस्बे में सरस घी के नाम से रखे 413 किलो संदिग्ध घी का मामला सामने आया है। जिला विशेष टीम (डीएसटी), खाद्य सुरक्षा विभाग और राशमी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक मकान और दुकान से घी के टिन व प्लास्टिक के डिब्बे जब्त किए गए। इन पर सरस घी लिखा हुआ था। घी का वास्तविक गुणवत्ता और ब्रांड की प्रामाणिकता का पता प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर अवैध गतिविधियों की निगरानी कर रही डीएसटी को गुरुवार को सूचना मिली कि राशमी में अनिल पोखरना के मकान और दुकान में बड़ी मात्रा में घी रखा है और उसकी बिक्री की

जा रही है। डीएसटी प्रभारी एसआई सूरज कुमार ने सूचना की पुष्टि के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को साथ लेकर कार्रवाई की। टीम ने राशमी थाना पुलिस के सहयोग से मकान और दुकान की तलाशी ली। वहां अलग-अलग पैकिंग में रखे घी के डिब्बे मिले। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने घी को संदिग्ध मानते हुए नमूने लिए और जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया शुरू की। मौके पर मिले डिब्बों को सील करने के साथ घी रखने वाले कमरे को भी सील कर दिया गया। कुल जब्त घी का वजन 413 किलोग्राम बताया गया है। भीलवाड़ा के सेलर से लाने की जानकारी पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में घी भीलवाड़ा के एक सेलर से लाने की बात सामने आई है। हालांकि, घी किस गुणवत्ता का है, उस पर सरस नाम का इस्तेमाल अधिकृत रूप से किया गया था या नहीं और उसमें मिलावट है या नहीं, इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही मिलेगा। फिलहाल घी को संदिग्ध मानकर कार्रवाई की गई है; मिलावट की पुष्टि अभी नहीं हुई है। कार्रवाई में राशमी थानाधिकारी गेहरीलाल गुर्जर के साथ हेड कांस्टेबल हजारीलाल और कांस्टेबल सुरेश, जैसाराम, अनिल, अर्जुन व लाल शामिल रहे। डीएसटी टीम में कांस्टेबल अरविंद, कृष्णकांत, अशोक, वीरेंद्र, रमेश और मनोज ने सहयोग किया। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से फूड इंस्पेक्टर मनीष शर्मा और कुलदीप मीणा ने नमूने लेने की कार्रवाई की।

निर्माण में उपयोग होने वाली गिट्टी और पारंपरिक जवारे से साकार हुई माँ दुर्गा और बाघ की भव्य कलाकृति सेंट एंथनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों और कला विभाग का अनूठा रचनात्मक प्रयास



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सेंट एंथनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोवर्धन विलास, उदयपुर में कला विभाग एवं विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, मेहनत और समर्पण से माँ दुर्गा और उनके वाहन बाघ की एक भव्य इंस्टॉलेशन आर्ट कलाकृति तैयार की। लगभग 50' 16 फीट के फर्श क्षेत्र में बनाई गई इस कलाकृति को पूरा करने में करीब 18 घंटे का श्रम लगा, जिसे लगभग तीन दिनों में साकार किया गया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी विकास साहू ने बताया कि सेंट एंथनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल इस कलाकृति की

विशेषता यह रही कि इसे निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली गिट्टी और पारंपरिक रूप से अलग टोकरी में बोए गए जवारे से तैयार किया गया। सामान्य निर्माण सामग्री और पारंपरिक धार्मिक तत्वों को कलात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों ने उन्हें एक आकर्षक और अर्थपूर्ण कलाकृति का रूप दिया। सेंट एंथनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य विलियम डिसूजा ने विद्यार्थियों और कला विभाग के इस अनूठे प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, टीम भावना और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान को बढ़ावा देती हैं। यह प्रयोग दर्शाता है कि कला के माध्यम से साधारण सामग्री को भी असाधारण अभिव्यक्ति में बदला जा सकता है। कला शिक्षिका स्नेहलता चौहान के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से इस परियोजना में भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को रचनात्मक सोच, टीमवर्क, धैर्य और व्यावहारिक कला का अनुभव प्राप्त हुआ। माँ दुर्गा और बाघ की यह कलाकृति शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। इस अनूठे प्रयास के माध्यम से विद्यालय में कला शिक्षा, भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं और सामूहिक रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। यह इंस्टॉलेशन कला के प्रति विद्यार्थियों के उत्साह तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

उदयपुर के रुद्राक्ष ने बनाई पोस्चर करेक्टिंग बेल्ट



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना अक्सर गलत तरीके से बैठने या खड़े रहने से रीढ़ की हड्डी और कंधों में होने वाले दर्द से राहत दिलाने के लिए उदयपुर के एक होनहार छात्र ने अभिनव नवाचार किया है। विद्यालय के मीडिया प्रभारी विकास साहू ने बताया कि सेंट एंथनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (उदयपुर) में कक्षा 12 के छात्र रुद्राक्ष माथुर ने एक विशेष शारीरिक मुद्रा सुधारने वाली बेल्ट' (पोस्चर करेक्टिंग बेल्ट) तैयार की है। इस नवाचार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) तथा राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (NIF) - भारत द्वारा आयोजित 12वीं राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता इंस्पायर-मानक (12-14 अक्टूबर, नई दिल्ली) में प्रदर्शित किया। क्या है तकनीक और कैसे करती है काम? मार्गदर्शक शिक्षक हिमांशु पंचोली के निर्देशन में तैयार की गई इस बेल्ट में तीन मजबूत नायलॉन

पट्टियों का उपयोग किया गया है, जो नट और बोल्ट की मदद से एक केंद्रीय आवरण (सेंट्रल कवर) से जुड़ी हैं। सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विलियम डिसूजा ने बधाई दी। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय की सूची में एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। बनावट: दो पट्टियाँ उपयोगकर्ता के कंधों के ऊपर से गुजरती हैं, जबकि तीसरी पट्टी रीढ़ की हड्डी के साथ नीचे जाकर कमर की बेल्ट से जुड़कर इसे स्थिरता प्रदान करती है। स्मार्ट अलार्म सिस्टम: बेल्ट के केंद्रीय आवरण में पैरलल इलेक्ट्रिक सर्किट से जुड़ा एक ध्वनि चेतावनी उपकरण (बज्र) लगा है। कार्यप्रणाली: जैसे ही व्यक्ति गलत मुद्रा (झुककर) में बैठता या खड़ा होता है, बेल्ट पर खिंचाव पड़ता है, जिससे आंतरिक स्विच सक्रिय हो जाता है। सर्किट पूरा होते ही बीप/बज्र की आवाज बजने लगती है, जो तुरंत उपयोगकर्ता को अपनी मुद्रा सही करने का संकेत देती है। लंबे समय में सुधारेगी बैठने-खड़े होने की आदत छात्र रुद्राक्ष माथुर ने बताया कि आज के डिजिटल दौर में घंटों कंप्यूटर और मोबाइल के सामने गलत तरीके से बैठने से युवाओं व बच्चों में रीढ़ की हड्डी की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यह उपकरण व्यक्ति को समय-समय पर सतर्क कर सही शारीरिक मुद्रा बनाए रखने में मदद करता है, जिससे भविष्य में रीढ़ की हड्डी और कमर से जुड़ी समस्याओं से बचा जा सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले इस प्रोजेक्ट को प्रदर्शनी में सराहा गया है।